महाविद्यालय कोड - 5084

सम्बद्ध – लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

नन्द किशोर कैलाश चन्द्र पी.जी. कॉलेज

(नन्द किशोर कैलाश चन्द्र सेवा समिति के प्रबंधन एवं संचालनाधीन)

"Education is the movement from darkness to Light"

PROSPECTUS

B.A. & B.Com.
B.Sc. & M.Sc.

प्रवेश फार्म एवं विवरण पुस्तिका

टिकरा, बिसवाँ, सीतापुर–261201

7318144445, 8299494262, 9450795313, 8604462298, 9956935790

nkkcsitapur@gmail.com

www.nkkcmahavidyalaya.in

मेरे प्रेरणा स्त्रोत

स्मृतिशेष नन्द किशोर वर्मा

स्मृतिशेष कमला देवी

मेरे जीवन की हर उपलब्धि और इस शैक्षणिक प्रयास का पूर्ण श्रेय मेरे पूजनीय माता-पिता के चरणों में समर्पित है। आपके निस्वार्थ प्रेम और अटूट विश्वास ने ही मुझे विपरीत परिस्थितियों में भी संबल प्रदान किया है। आपके द्वारा दिए गए संस्कारों और अनमोल मार्गदर्शन को पाथेय मानकर ही मैं आज अपने कर्तव्य पथ पर दृढ़तापूर्वक आगे बढ़ पा रहा हूँ। आपके आशीर्वाद की वह शीतल छाया ही है, जिसने मेरे भीतर इस संस्थान के प्रति विजन और दायित्व बोध को जागृत किया है मैं सदैव आपके दिखाए सत्य, सेवा और समर्पण के मार्ग पर चलते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने हेतु संकल्पित हूँ।

President / Director Speak

संतोष कुमार वर्मा
अध्यक्ष एवं निदेशक

WELCOME

''याद रखिए, सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना है। शिक्षा हमें इसी अन्याय के खिलाफ लड़ना सिखाती है।''

–नेताजी सुभाष चन्द्र बोस

आज समाज को ऐसी शिक्षा की जरूरत है जो पौराणिक सभ्यता को समेटे हुए आधुनिक तर्कों के माध्यम से बालक / बालिकाओं में नयी सोच जागृत करे, एक ऐसी शिक्षा जिसमें मानव का समुचित विकास हो। विकास के इस युग में शिक्षा एक ऐसी जरूरत है जिसके बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। हम यह कह सकते हैं कि शिक्षा मानव के सामाजिक, मानसिक तथा बौद्धिक विकास की नींव है और इसे मजबूत करने के लिए हमें प्रयत्नशील रहना होगा। हमें अपनी सोच की दिशा को बदलना होगा, एक ऐसी शुरूआत करनी होगी जिसमें हमारे संस्कार के साथ आधुनिक जीवन के विभिन्न सोपानों का समावेश हो। संस्कारों को नई शिक्षा पद्धति में स्वीकार करना होगा क्योंकि संस्कारित शिक्षा के द्वारा ही समाज का विकास सम्भव है। आज नन्द किशोर कैलाश चन्द्र महाविद्यालय बिसवां सीतापुर विज्ञान एवं वाणिज्य की शिक्षा प्रदान कर क्षेत्र के उन तमाम बालक बालिकाओं को जो तमाम अभावों के कारण बी.ए.ए बी.एस–सी. व बी.कॉम. की शिक्षा पाने से वंचित रह जाते थे, शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। हमारा निरंतर प्रयास है कि हमारे महाविद्यालय में अध्ययनरत बच्चे जो कि आज जनपद में अपना परचम फहरा रहे हैं वे आने वाले समय में प्रदेश स्तर पर अपना व अपने महाविद्यालय का नाम रोशन करें यही मेरी सच्ची साधना व कामना है।

(संतोष कुमार वर्मा)

सरोज वर्मा
प्रबंधक

WELCOME

''उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए''

–स्वामी विवेकानन्द

नन्द किशोर कैलाश चंद्र महाविद्यालय की प्रबंधक, सरोज वर्मा, स्वर्गीय श्री नन्द किशोर वर्मा एवं श्रीमती कमला देवी की सुपुत्रवधू हैं। अपने पूज्य सास–ससुर की स्मृति को चिरस्थायी एवं सार्थक बनाने के उद्देश्य से उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने का संकल्प लिया। इसी पावन भावना के साथ, उन्होंने ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु इस महाविद्यालय की स्थापना की। उनका दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा ही समाज के उत्थान का सर्वोत्तम माध्यम है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, जहाँ प्रतिभा तो अपार है, किन्तु अवसरों का अभाव रहता है। मेरा यह प्रयास न केवल अपने पूर्वजों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना बल्कि समाज में शिक्षा के माध्यम से जागरूकता, नैतिक मूल्यों एवं प्रगति की नई दिशा प्रदान करने की ओर एक सशक्त कदम है। यह महाविद्यालय विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अनुशासन एवं संस्कार प्रदान करते हुए उन्हें एक सशक्त, जिम्मेदार एवं आत्मनिर्भर नागरिक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सरोज वर्मा
(सरोज वर्मा)

संरक्षक/प्रबंध निदेशक की कलम से...

डॉ. सुधाकर वर्मा
संरक्षक एवं प्रबंध निदेशक

WELCOME

''महानता कठिनाइयों के अभाव से नहीं, बल्कि उन पर विजय पाने के साहस से प्राप्त होती है।''

–सरदार वल्लभ भाई पटेल

नन्द किशोर कैलाश चन्द्र पी.जी. कॉलेज टिकरा, बिसवां, सीतापुर की स्थापना का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में कोई भी स्नातक एवं परास्नातक स्तर का कॉलेज न होने के कारण क्षेत्र के बच्चे इण्टर की शिक्षा पाने की भावनाएं अपने मन–मानस में संजोए हुए, साधन–सुविधा के अभाव में वंचित रह जाते थे, उनके उज्जवल भविष्य, क्षेत्र के शैक्षिक, सामाजिक, वैचारिक व आर्थिक विकास के लिए उन्हें उच्च शिक्षा प्रदान कर बिसवां क्षेत्र के विकास की मुख्य धारा से जोड़ना ही एक मुख्य लक्ष्य है। महाविद्यालय बिसवां क्षेत्र में एक ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण करना चाहता है जो पूर्ण विकसित होकर जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर उच्च शिक्षा के माध्यम से क्षेत्र को एक नई दिशा, गति एवं पहचान प्रदान कर सकें। हमारा महाविद्यालय स्नातक स्तर पर कला संकाय के अन्तर्गत बी.ए., वाणिज्य संकाय के अर्न्तगत बी.काम. तथा विज्ञान संकाय के अन्तर्गत बी.एस–सी. (बायो – मैथ्स) तथा परास्नातक स्तर पर एम.एस–सी. (जूलॉजी, बॉटनी, केमिस्ट्री) पाठ्यक्रमों में संचालित है। तथा लखनऊ विश्वविद्यालय की बी. एस–सी. की सत्र 2023, 2024 एवं 2025 की परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल एवं कांस मेडल प्राप्त कर छात्रों ने महाविद्यालय का नाम रोशन किया है।

(डॉ. सुधाकर वर्मा)

महाविद्यालय – एक संक्षिप्त परिचय

नन्द किशोर कैलाश चन्द्र पी.जी. कॉलेज बिसवाँ से सिधौली-लखनऊ राज मार्ग पर 4 कि0मी0 टिकरा में स्थित है। इस पी.जी. कॉलेज की स्थापना क्षेत्र में विज्ञान वर्ग (बी.एस-सी. एवं एम.एस-सी.), वाणिज्य वर्ग (बी. कॉम.) तथा कला वर्ग (बी. ए.) की उच्च शिक्षा से वंचित ऐसे बच्चे जो इण्टरमीडिएट की शिक्षा के उपरान्त बी.ए., बी.एस.सी. एवं बी.कॉम. करने की भावनाएं अपने मन में संजोए, साधन-सुविधा के अभाव में साकार एवं मूर्तरूप नहीं ले पा रही हैं यह संस्थान विज्ञान, वाणिज्य एवं कला के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। बी.एस-सी के पश्चात् विद्यार्थियों के लिए विज्ञान वर्ग में परास्नातक एम.एस-सी. (जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं रसायन विज्ञान) की शिक्षा प्रदान कराई जाती है, जिससे छात्र-छात्राएं अपने ज्ञान का विस्तार कर उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त कर सकें। क्षेत्र के बच्चों को कला, वैज्ञानिक व वाणिज्यिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षित कर क्षेत्र के विकास की मुख्य धारा से जोड़ना है जिससे कि भूमण्डलीकरण के इस दौर में ग्रामीण अंचल के बच्चे बदलते हुए आधुनिक शैक्षिक परिवेश में अपने को ढाल सकें तथा प्रगति के शिखरों पर आरोहित होकर अपने वर्तमान और भविष्य को नई दिशा एवं आयाम दे सकें।

उद्देश्य

महाविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य एक पिछड़े क्षेत्र में वैज्ञानिक व वाणिज्यिक शिक्षा के माध्यम से समाज में एक ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण करना है जो वर्तमान में समाज को आधुनिक, भौतिक, सामाजिक और अध्यात्मिक वातावरण के अनुकूल पूर्ण विकसित होकर जीवन की वर्तमान चुनौतियों का सामना सफलतापूर्वक कर सकें।

भवन

महाविद्यालय का भवन बिसवाँ - लखनऊ रोड पर बिसवाँ से 4 कि०मी० दक्षिण टिकरा में स्थित है, यहाँ आवश्यक सुविधाओं से युक्त व्याख्यान कक्षायें, पुस्तकालय, वाचनालय, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान व वनस्पति विज्ञान की आधुनिक व प्रायोगिक उपकरणों से युक्त प्रयोगशालायें, प्रशासनिक भवन, प्राचार्य कक्ष, सहायक आचार्य कक्ष, बालक बालिका कक्ष, कप्यूटर कक्ष, प्रतीक्षा कक्ष पर्याप्त फर्नीचर व बड़ा खेल मैदान है।

शिक्षा व्यवस्था

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय के अन्तर्गत बी.एस.सी. (बायो व मैथ्स) तथा परास्नातक स्तर पर एम.एस.सी.(जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान एवं रसायन विज्ञान) वाणिज्य संकाय के अन्तर्गत बी.काम. तथा कला संकाय के अत्तर्गत बी.ए. (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं गृह विज्ञान)पाठ्यक्रम की सहशिक्षा (बालक एवं बालिकाएं) प्रदान की जा रही है।

महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रम-

महाविद्यालय में अध्ययन हेतु (बालक/बालिकाओं) स्नातक स्तर पर कला संकाय में बी.ए., विज्ञान संकाय में बी.एस-सी. (बायो एवं गणित) तथा वाणिज्य संकाय में बी.कॉम. व परास्नातक में एम.एस-सी. (जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान) पाठ्यक्रम की व्यवस्था है।

कला संकाय
बी.ए.

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी
3. समाजशास्त्र
4. राजनीतिशास्त्र
5. अर्थशास्त्र
6. इतिहास
7. गृह विज्ञान

विज्ञान संकाय
बी.एस-सी. एवं एम.एस-सी

जीव विज्ञान (Bio-ZBC)
1. जन्तु विज्ञान (Zoology)
2. वनस्पति विज्ञान (Botany)
3. रसायन विज्ञान (Chemistry)

गणित (Maths-PCM)
1. भौतिक विज्ञान (Physics)
2. रसायन विज्ञान (Chemistry)
3. गणित (Mathematics)

एम.एस-सी
1. जन्तु विज्ञान
2. वनस्पति विज्ञान
3. रसायन विज्ञान

वाणिज्य संकाय
बी.कॉम

स्नातक स्तर पर बी०एस०सी० एवं बी०काम० में प्रवेश हेतु इण्टरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उत्तीर्ण हो।

राष्ट्रीय सेवा योजना (N.S.S)

महाविद्यालय की स्थापना के उद्देश्य को आगे बढ़ाने हेतु महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से अध्ययन छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में राष्ट्रीय सेवा योजना का बड़ा योगदान है। महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का शुभारम्भ शासन द्वारा सत्र-2022-23 से हो रहा है। जिसका उद्घाटन लखनऊ वि0वि0 की राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठतम कार्यक्रम अधिकारी प्रो0(डा0) ऋषि कुमार मिश्र ने किया। इस योजना के माध्यम से क्षेत्र में सामाजिक समरसता हेतु स्वयं सेवक गाँव-गाँव जाकर अपने कार्यक्रम अधिकारी श्री पुष्पेन्द्र सिंह के निर्देशन व मार्गदर्शन में काम करेंगे तथा आज के आधुनिक परिवेश्य में स्वयं को स्थापित करने का काम करेंगे। इन्ही तमाम उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए नन्द किशोर कैलाश चन्द्र महाविद्यालय आज जनपद के प्रमुख महाविद्यालय माना जा रहा है। राष्ट्रीय सेवा योजना का सिद्धांत वाक्य अथवा प्रत्यवचन है, स्वयं से पहले आप (NOT ME BUT YOU)

डॉ0 राहुल वर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह, डॉ शिवांशु राठौर, अंकित वर्मा, ओम प्रकाश
कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य

1. लोगों के साथ मिलकर कार्य करना।
2. स्वयं को सृजनात्मक और स्वनात्मक सामाजिक कार्यों में प्रवृत्त करना।
3. स्वयं तथा समुदाय की ज्ञान वृद्धि करना।
4. समस्याओं को कुछ न कुछ हल करनें में स्वयं की प्रतिमा का व्यवहारिक उपयोग करना।
5. प्रजातविक नेतृत्व को क्रियाचित करनें में दक्षता प्राप्त करना।
6. स्वयं को रोजगार के योग्य बनाने के लिए कार्यक्रम विकास में दक्षता प्राप्त करना।
7. शिक्षित और अशिक्षितों के बीच की दूरी को मिटाना।
8. समुदाय के कमजोर वर्ग की सेवा के लिए स्वयं में इच्छाएँ जाग्रत करना।

आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र अवश्य संलग्न करें-

1

प्रवेश के लिए महाविद्यालय की विवरण पुस्तिका (Prospectus) के साथ संलग्न आवेदन पत्र पर ही आवेदन करें।

स्नातक (UG)

- हाईस्कूल अंक पत्र प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
- इण्टरमीडिएट अंक पत्र, प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
- संस्थागत रूप से इण्टरमीडिएट उत्तीर्ण करने वाले छात्र/छात्राओं को अंतिम विद्यालय से प्राप्त स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (टी०सी०) तथा चरित्र प्रमाण–पत्र मूल रूप से संलग्न करना होगा।
- चरित्र प्रमाण–पत्र की मूल प्रति।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी जाति प्रमाण
- पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
- आधार कार्ड की छाया प्रति।
- पासपोर्ट साइज 5 फोटो।
- LURN पंजीकरण संख्या।

परास्नातक (PG)

- हाईस्कूल अंक पत्र प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
- इण्टरमीडिएट अंक पत्र, प्रमाण पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
- संस्थागत रूप से स्नातक उत्तीर्ण करने वाले छात्र/छात्राओं को अंतिम विद्यालय से प्राप्त स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र (टी०सी०) तथा चरित्र प्रमाण–पत्र मूल रूप से संलग्न करना होगा।
- चरित्र प्रमाण–पत्र की मूल प्रति।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थी जाति प्रमाण
- पत्र की स्वप्रमाणित प्रतिलिपि।
- आधार कार्ड की छाया प्रति।
- पासपोर्ट साइज 5 फोटो।
- LURN पंजीकरण संख्या।

Welcome

महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधायें-

पुस्तकालय एवम् वाचनालय

महाविद्यालय का पुस्तकालय ज्ञान और अध्ययन का सशक्त केन्द्र है, जिसका संचालन अत्यंत सुव्यवस्थित एवं निरंतर रूप से किया जा रहा है। यह केवल पुस्तकों का संग्रह मात्र नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास की एक महत्वपूर्ण प्रयोगशाला है। प्रत्येक छात्र/छात्राओं की जीवन अवधि पुस्तकालय शिक्षण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। महाविद्यालय में इस दायित्व की पूर्ति हेतु एक विस्तृत पुस्तकालय है जिसमें 25,500 पुस्तकें, पत्रिकायें एवं समाचार पत्रों का संग्रह है जो विभिन्न विषयों और क्षेत्रों से सम्बन्धित है सभी छात्र–छात्रायें पुस्तकालय से पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं।

वाई–फाई युक्त परिसर

महाविद्यालय परिसर में सभी छात्र–छात्राओं के लिए मुफ्त वाई–फाई सुविधा उपलब्ध है तथा महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन, प्रत्येक कक्ष, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, एवं जगह–जगह पर सी.सी.टी.वी. कैमरे उपलब्ध हैं।

परामर्श प्रकोष्ठ

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रवेश के समय बी.एस–सी., एम.एस–सी, बी.ए. एवं बी. कॉम. प्रथम सेमेस्टर के छात्र/छात्राओं का विषय चयन हेतु मार्ग दर्शन किया जाता है। साथ ही पूरे सत्र में समय–समय पर विभिन्न विषयों से सम्बन्धित परामर्श छात्र–छात्राओं को प्रदान किया जाता है। छात्र/छात्राओं की कठिनाइयों और समस्याओं के निराकरण का प्रयास भी किया जाता है। छात्र/छात्राओं में जागरूकता उत्पन्न करने तथा उन्हें व्यवसायिक सूचना प्रदान करने हेतु समय–समय पर विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित विशेषज्ञों से व्याख्यान कराये जाते हैं तथा छात्र/छात्राओं के अनुरूप उपलब्ध व्यवसाय की जानकारी भी दी जाती है।

क्रीडा कार्यक्रम

छात्र–छात्राओं के मानसिक विकास के साथ–साथ शारीरिक विकास, मनोरंजन, खाली समय के सदुपयोग हेतु कालेज में वाह्य एवं आन्तरिक दोनो प्रकार के खेलों की व्यवस्था है जिसके हेतु महाविद्यालय में अर्ह एंव प्रशिक्षित खेल–कूद शिक्षक–शिक्षिका उपलब्ध है।

वाह्य – क्रिकेट, फुटबाल, बैडमिंटन, बालीबॉल, खो–खो, कबड्डी, रस्सीकूद, टग ऑफ वार एथेलेटिक्स आदि।

आंतरिक– कैरम, शतरंज

शिकायत निराकरण प्रकोष्ठ

छात्र/छात्राओं की विभिन्न प्रकार की शिकायतों का निराकरण प्राक्टोरियल समिति या शिकायत से सम्बन्धित समिति द्वारा किया जाता है। शिक्षण कार्य से सम्बन्धित शिकायतों का निराकरण प्राचार्य तथा प्रशासनिक समिति के द्वारा किया जाता है।

वाद-विवाद एंव संगोष्ठियों का आयोजन

कालेज में शिक्षण विधि के रूप में व्याख्यान के अतिरिक्त वाद विवाद तथा संगोष्ठियों आदि का आयोजन भी किया जाता है। छात्र एवं छात्राओं के विभिन्न प्रकरणों पर शिक्षक/शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन के पश्चात स्वयं के प्रयास से विषय सामग्री तैयार करते हैं तथा सभी के समक्ष प्रस्तुत करते है। सभी छात्र/छात्राएं वार्तालाप के द्वारा अपने विचार प्रस्तुत करते हैं तथा समस्याओं का समाधान प्राप्त करते हैं।

छात्रवृत्ति एवं आर्थिक सहायता

महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाले प्रत्येक छात्र/ छात्राओं को प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय द्वारा नियमानुसार 45 प्रतिशत उपस्थिति होने पर कानपुर समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग, आयोग अल्पसंख्यक समुदाय की संस्थाओं द्वारा तथा महाविद्यालय द्वारा सामान्य रूप से निर्धन छात्र/ छात्राओं को छात्रवृत्ति तथा आर्थिक सहायता उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदान की जायेगी।

सहपाठ्येत्तर गतिविधियाँ-

विशेषताएं

- शिक्षण हेतु शान्ति पूर्ण वातावरण।
- विज्ञान एवं वाणित्य संकाय के अन्तर्गत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम की शिक्षा की व्यवस्था।
- आगन्तुको हेतु प्रतीक्षा कक्ष।
- छात्र/छात्राओं की शिक्षा का उचित प्रबन्ध।
- छात्र/छात्राओं के सतत मूल्यांकन की प्रणाली।
- पाठ्येत्तर क्रियाओं में सहभागिता के माध्यम से छात्र/छात्राओं का सर्वांगीण विकास।
- पर्याप्त संख्या में उच्च योग्यता प्राप्त शिक्षक–शिक्षका वर्ग।
- परिसर में प्राचीन व आधुनिक ग्रन्थों युक्त पुस्तकालय।
- कमजोर वर्ग के छात्र/छात्राओं में छात्रवृत्ति एपं विशेष पुस्तकीय सहायता।
- छात्र/छात्राओं के लिए अलग–अलग शौचालय।

दूरस्थ शिक्षा– कालेज कोड–S1552
सम्बद्ध– उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

दूरस्थ शिक्षा के प्रोग्राम्स

स्नातकोत्तर (P.G)=M.A.

(HINDI,ENGLISH, HISTORY, SOCIOLOGY) Political Science, Economics, Education Statistics, Sanskrit MSW)

स्नातक (U.G)= B.A, B.Sc, B.Com, B.B.A

डिप्लोमा

- Diploma in Rural Devlopment
- Diploma in Rural Development
- Diploma in Applied Statistics and Computer
- Diploma in Agribusiness Management
- Diploma in Agriculture
- Diploma in Vedic Mathematics

CERTIFICATE COURSES

- Certificate in cultivation of Medicinal and Aromatic plants.
- Certificate in Livestock production system.
- Certificate in child Care and Nutrition.
- Certificate in nutrition and food.
- Certificate in Human Rights.
- Certificate in women Empowerment and Development.
- Certificate courses in yoga.
- Certificate in Fashion Designing
- Awareness programmes in Panchayti raj
- Certificate in Rural Journalism and mass Communication.
- Certificate in applied Criminology.
- Certificate in Applied statistics & Computer
- Awareness Programmes in Dairy Farming.
- Certificate in Forensic science
- Certificate Porogamme in Laboratory Technique
- Certificate in Printing technology

Note : Certificate Programme in - Hindi, Botany, English, Political Science, History, Urdu, Economics, Sociology, Sanskrit, Education, Mathematics, Zoology, Chemistry, Physics, Geography.

उपलब्धियाँ

1. विश्वविद्यालय द्वारा कालेज को आवंटित सीटों पर पारदर्शीरूप से प्रवेश कराना।
2. संस्थागत सभी छात्र/छात्राओं को पूर्णरूपेण छात्रवृत्ति की सुविधा।

महत्वपूर्ण दिवस

1. स्वतन्त्रता दिवस (15 अगस्त)
2. गणतन्त्र दिवस (26 जनवरी)
3. विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून)
4. विश्व योग दिवस (21 जून)
5. शिक्षक दिवस एंव हरित दिवस (5 सितम्बर) वृक्षारोपण
6. विश्व एड्स दिवस (1 दिसम्बर)
7. वार्षिकोत्सव
8. अलंकरण समारोह

शुल्क विवरण

समय-समय पर शासन व विश्वविद्यालय द्वारा घोषित शुल्क के आधार पर महाविद्यालय की शुल्क निर्धारित होगी।

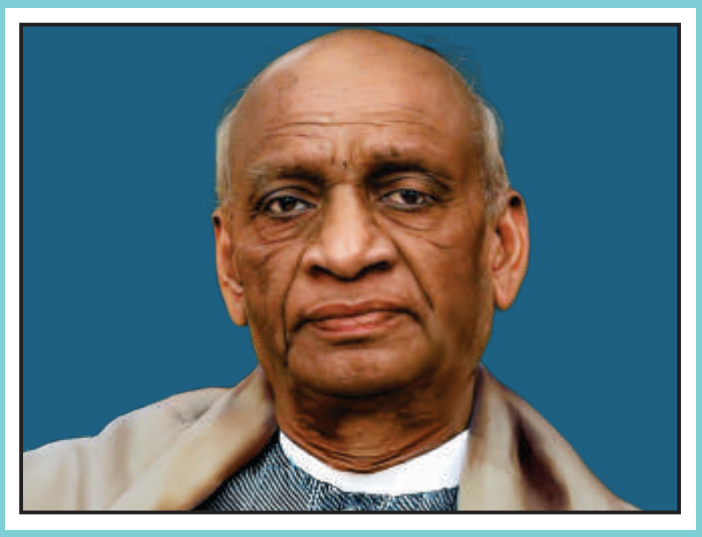

सरदार बल्लभ भाई पटेल जी के अनमोल विचार

- चर्चिल से कहो कि भारत को बचाने से पहले इंग्लैंड को बचाए.
- आपकी अच्छाई आपके मार्ग में बाधक है, इसलिए अपनी आँखों को क्रोध से लाल होने दीजिये, और अन्याय का सामना मजबूत हाथों से कीजिये.
- ऐसे बच्चे जो मुझे अपना साथ दे सकते हैं, उनके साथ अक्सर मैं हंसी-मजाक करता हूँ. जब तक एक इंसान अपने अन्दर के बच्चे को बचाए रख सकता है तभी तक जीवन उस अंधकारमयी छाया से दूर रह सकता है जो इंसान के माथे पर चिंता की रेखाएं छोड़ जाती है.
- जीवन की डोर तो ईश्वर के हाथ में है, इसलिए चिंता की कोई बात हो ही नहीं सकती.
- शक्ति के अभाव में विश्वास व्यर्थ है. विश्वास और शक्ति, दोनों किसी महान काम को करने के लिए आवश्यक हैं.
- इस मिट्टी में कुछ अनूठा है, जो कई बाधाओं के बावजूद हमेशा महान आत्माओं का निवास रहा है.
- यहाँ तक कि यदि हम हजारों की दौलत गवां दें, और हमारा जीवन बलिदान हो जाए, हमें मुस्कुराते रहना चाहिए और ईश्वर एवं सत्य में विश्वास रखकर प्रसन्न रहना चाहिए.
- स्वतंत्र भारत में कोई भी भूख से नहीं मरेगा. अनाज निर्यात नहीं किया जायेगा. कपड़ों का आयात नहीं किया जाएगा. इसके नेता ना विदेशी भाषा का प्रयोग करेंगे ना किसी दूरस्थ स्थान, समुद्र स्तर से 7000 फुट ऊपर से शासन करेंगे. इसके सैन्य खर्च भारी नहीं होंगे. इसकी सेना अपने ही लोगों या किसी और की भूमि को अधीन नहीं करेगी. इसके सबसे अच्छे वेतन पाने वाले अधिकारी इसके सबसे कम वेतन पाने वाले सेवकों से बहुत ज्यादा नहीं कमाएंगे. और यहाँ न्याय पाना ना खर्चीला होगा ना कठिन होगा.
- बोलने में मर्यादा मत छोड़ना, गालियाँ देना तो कायरों का काम है.
- यह हर एक नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह यह अनुभव करे की उसका देश स्वतंत्र है और उसकी स्वतंत्रता की रक्षा करना उसका कर्तव्य है. हर एक भारतीय को अब यह भूल जाना चाहिए कि वह एक राजपूत है, एक सिख या जाट है. उसे यह याद होना चाहिए कि वह एक भारतीय है और उसे इस देश में हर अधिकार है पर कुछ जिम्मेदारियां भी हैं.
- बेशक कर्म पूजा है किन्तु हास्य जीवन है. जो कोई भी अपना जीवन बहुत गंभीरता से लेता है उसे एक तुच्छ जीवन के लिए तैयार रहना चाहिए. जो कोई भी सुख और दुःख का समान रूप से स्वागत करता है वास्तव में वही सबसे अच्छी तरह से जीता है.
- शत्रु का लोहा भले ही गर्म हो जाये, पर हथौड़ा तो ठंडा रहकर ही काम दे सकता है.
- कठिन समय में कायर बहाना ढूंढ़ते हैं बहादुर व्यक्ति रास्ता खोजते हैं.
- जीवन में सब कुछ एक दिन में नहीं हो जाता है!
- उतावले उत्साह से बड़ा परिणाम निकलने की आशा नहीं रखनी चाहिये.
- हमें अपमान सहना सीखना चाहिए.
- हर इंसान सम्मान के योग्य है, जितना उसे ऊपर सम्मान चाहिए उतना ही उसे नीचे गिरने का डर नहीं होना चाहिए.
- अविश्वास भय का कारण है.
- मेरी एक ही इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक हो और इस देश में कोई अन्न के लिए आंसू बहाता हुआ भूखा ना रहे.
- एकता के बिना जनशक्ति, शक्ति नहीं है जब तक उसे ठीक ढंग से सामंजस्य में ना लाया जाए और एकजुट ना किया जाए, और तब यह आध्यात्मिक शक्ति बन जाती है.

महाविद्यालय परिवार

श्री संतोष कुमार वर्मा
निदेशक एवं अध्यक्ष

श्रीमती सरोज वर्मा
प्रबंधक

डॉ0 सुधाकर वर्मा
संरक्षक एवं प्रबन्ध निदेशक
M.Sc., P.hD. (Zoology)
M.A., B.Ed., P.hD. (Education)
M.A., NET (History) & M.A., NET (Sociology)

डॉ0 राहुल वर्मा
विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग
एवं ओ.एस.डी.
सम्बद्ध–प्रबन्ध निदेशक एवं
कार्यालय अधीक्षक प्रशासनिक

पुष्पेन्द्र सिंह
चीफ प्राक्टर
समन्वयक– प्रवेश समिति
एवं कार्यक्रम अधिकारी,
राष्ट्रीय सेवा योजना

डॉ0 शिवांशु राठौर
कार्यक्रम अधिकारी,
विभागाध्यक्ष
जन्तु विज्ञान विभाग

अंकित वर्मा
विभागाध्यक्ष, गणित विभाग
एवं कार्यालय प्रभारी

महक शुक्ला
विभागाध्यक्ष
वनस्पति विज्ञान विभाग

ओम प्रकाश
विभागाध्यक्ष
वाणिज्य विभाग

मनीष वर्मा
विभागाध्यक्ष
भौतिक विज्ञान विभाग

मो0 वकार अहमद
असिस्टेंट प्रोफेसर
गणित विभाग

कोमल वर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग एवं लाइब्रेरियन

तेजपाल
असिस्टेंट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग

प्रदीप वर्मा
कार्यालय सहायक

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी – **बहोरी लाल एवं हरीश**

नन्द किशोर कैलाश चन्द्र पी.जी. कॉलेज

टिकरा, बिसवाँ, सीतापुर–261201

7318144445, 8299494262, 9450795313, 8604462298, 9956935790

nkkcsitapur@gmail.com www.nkkcmahavidyalaya.in